a2zpapers.com

Exam. Code : 216302
Subject Code : 6437

M.A. (Hindi) 2nd Semester

NATAKKAR MOHAN RAKESH

Paper—X, Opt. (i)

Time Allowed—Three Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— भाग 'क' सप्रसंग व्याख्या एवं लघुप्रश्नों का है। भाग 'ख' दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्नों का है। प्रत्येक भाग के अंक सामने दे दिए गए हैं।

भाग—क

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :— 4×6=24

(क) कैसी बात कर रही हूँ ? यहाँ पर सबलोग समझते क्या हैं मुझे ? एक मशीन, जोकि सबके लिए आटा पीसकर रात को दिन और दिन को रात करती रहती है ? मगर किसी के मन में ज़रा-सा भी ख़्याल नहीं है इस चीज के लिए कि कैसे मैं...।

(ख) बिना हाड़-मांस का पुतला, या जो भी कह लो तुम उसे — पर मेरी नज़र में वह हर आदमी जैसा एक आदमी है — सिर्फ इतनी ही कमी है उसमें।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
ad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

(ग) सौन्दर्य का ऐसा साक्षात्कार मैंने कभी नहीं किया। जैसे वह सौन्दर्य अस्पृश्य होते हुए भी मांसल हो। मैं उसे छू सकती थी, देख सकती थी, पी सकती थी। तभी मुझे अनुभव हुआ कि वह क्या है जो भावना को कविता का रूप देता है।

(घ) यह क्यों नहीं सोचते कि नयी भूमि तुम्हें यहाँ से अधिक सम्पन्न और उर्वरा मिलेगी। इस भूमि से तुम जो कुछ ग्रहण कर सकते थे, कर चुके हो। तुम्हें आज नयी भूमि की आवश्यकता है, जो तुम्हारे व्यक्तित्व को अधिक पूर्ण बना दें।

(ङ) सम्भव है आज वे उन्हें पहले के सम्बन्ध से नहीं देखतीं। उनके हृदय में जो पीड़ा थी राजकुमार सिद्धार्थ को लेकर थी। परन्तु आज जो लौटकर आए हैं, वे गौतम बुद्ध हैं — राजकुमार सिद्धार्थ नहीं।

(च) मैंने उन्हें भेजा था, तो एक विश्वास के साथ भेजा था। चाहती, तो रोक भी सकती थी। परन्तु रोकना मैंने नहीं चाहा, क्योंकि वैसा करना दुर्बलता होती। अब इतना संतोष तो है कि दुर्बलता कहीं थी, तो मुझमें नहीं थी।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :— 4×6=24

(अ) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के पात्र-परियोजना पर प्रकाश डालिए।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
ad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

(ब) 'लहरों के राजहंस' नाटक के नाम की सार्थकता पर विचार कीजिये।

(स) नवीन नाट्य-प्रयोग की दृष्टि से 'आधे-अधूरे' नाटक का मूल्यांकन कीजिए।

(द) नाटककार मोहन राकेश के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

(प) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की रंगमंचीय सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(म) 'आधे-अधूरे' नाटक की भाषा की समीक्षा कीजिए।

भाग—ख

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के दीर्घ उत्तर लिखिये :— 2×16=32

(अ) 'आधे-अधूरे' समकालीन मध्यवर्गीय जीवन का दस्तावेज है' — प्रस्तुत कथन की सार्थकता प्रमाणित कीजिए।

(ब) 'लहरों के राजहंस' नाटक का प्रतिपाद्य स्पष्ट करते हुए इसकी मुख्य समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

(स) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के नाट्यात्मक वैशिष्ट्य की सोदाहरण विवेचना कीजिये।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab